# उत्तमा ( साहित्यरत्न ) द्वितीय खण्ड पाठ्यक्रम २०१५-२०१८
## हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र १–कोड संख्या ६०१ / मॉ / घ १४ — पूर्णाङ्क १००

उत्तीर्णाङ्क ३६

### भक्ति-काव्य

(व्याख्या केलिए ४० अङ्क, समीक्षा केलिए ६० अङ्क)

पाठ्य-पुस्तकें

१. भ्रमरगीतसार–सूरदास ( पद २०१ से २५० तक )–सम्पा० रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)।

२. रामचरितमानस ( अयोध्याकाण्ड )–गोस्वामी तुलसीदास (गीता प्रेस, गोरखपुर)।
(दोहा 216 से 300 तक , कुल 85 दोहे निर्धारित है ।)

३. पद्मावत ( स्तुतिखण्ड )–मलिक मुहम्मद जायसी (जायसी ग्रन्थावली) जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

४. अनुराग-बाँसुरी–पं० चन्द्रबली पाण्डेय (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)।

सहायक-पुस्तकें

१. सूरदास और भक्ति काव्य–डॉ० मैनेजर पाण्डेय (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)।

२. लोकवादी कवि तुलसीदास–विश्वनाथ त्रिपाठी (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)।

३. जायसी–विजयदेवनारायण साही (हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद)।

प्रश्नपत्र २–कोड संख्या ६०२ / मॉ / घ १५ — पूर्णाङ्क १००

उत्तीर्णाङ्क ३६

### रीति-काव्य

(व्याख्या केलिए ४० अङ्क, समीक्षा केलिए ६० अङ्क)

पाठ्य-पुस्तकें

१. बिहारी वैभव–डॉ० विजयपाल सिंह (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)।

२. रीति-काव्य धारा ( केशवदास और पद्माकर )–डॉ० रामचन्द्र तिवारी, डॉ० रामफेर त्रिपाठी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)।

सहायक-पुस्तकें

१. बिहारी की वाग्विभूति–आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र (वाणी वितान कार्यालय, वाराणसी)।

२. देव और उनकी कविता–डॉ० नगेन्द्र (नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली)।

३. घनानन्द–डॉ० मनोहरलाल गौड़ (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)।

प्रश्नपत्र ३–कोड संख्या ६०३ / मॉ / घ १६ पूर्णाङ्क १००

उत्तीर्णाङ्क ३६

# हिन्दी भाषा का इतिहास एवं हिन्दी साहित्य का इतिहास

(हिन्दी भाषा का इतिहास ५० अङ्क और हिन्दी साहित्य का इतिहास ५० अङ्क)

## (क) हिन्दी भाषा का इतिहास ५० अङ्क

१. भाषा और संस्कृति का सम्बन्ध, भाषा की प्रकृति, प्रत्यय।

२. हिन्दी शब्द का अभिप्राय और हिन्दीभाषी क्षेत्र। हिन्दीभाषी क्षेत्र की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिन्दी के विकास में प्राकृत और अपभ्रंश का योगदान, भाषा की अवधारणा का उदय और विकास।

३. खड़ीबोली का प्रसार। खड़ीबोली की शाखाएँ-प्रशाखाएँ। उर्दू, साहित्यिक हिन्दी, दक्खिनी। राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास, नागरी लिपि की समस्याएँ और सुधार के प्रयास।

## (ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास ५० अङ्क

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास-दर्शन और काल-विभाजन की समस्या।

२. आदिकाल–नामकरण, सीमा रेखा, प्रवृत्ति, सामग्री, नाथ, सिद्ध, जैन और रासो साहित्य का परिचय, विशेषताएँ, कवि-परिचय।

३. भक्तिकाल–ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी, कृष्णाश्रयी और रामाश्रयी शाखाएँ–सामग्री, प्रवृत्तियाँ, कवि और परिचय, अवधी तथा ब्रज का काव्यभाषा विकास के रूप में अध्ययन।

४. रीतिकाल–नामकरण, परिचय, विशेषताएँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त कवियों के काव्यों का परिचय, मूल्यांकन और विशेषताएँ, रीति प्रवृत्ति से भिन्न प्रवृत्तियाँ।

५. आधुनिक काल–गद्य का विकास, उपन्यास, नाटक, कहानी, निबन्ध, आलोचना आदि का उद्भव, विकास और वर्तमान स्थिति, भारतेन्दु-द्विवेदी युग के पुनर्जागरण और नवजागरण काल का विश्लेषण, छायावाद और प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नयी कहानी आदि का परिचय, समकालीन सृजनशीलता का परिचय और मूल्यांकन।

## सहायक-पुस्तकें

(क)

१. भाषा और संस्कृति–डॉ० भोलानाथ तिवारी।

२. भाषा ब्लूफील्ड (केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय)।

३. राज्यभाषा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)।

४. हिन्दी भाषा का उद्भव, विकास और रूप–डॉ० हरदेव बाहरी (किताब महल, इलाहाबाद)।

(ख)

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)।

२. हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग १, २–विश्वनाथप्रसाद मिश्र (वाणी वितान कार्यालय, वाराणसी)।

३. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास–डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी (लोकभारती प्रकाशन, प्रथम तल, दरबारी बिल्डिंग महात्मा गाँधी मार्ग, सिविललाइन, इलाहाबाद)।

४. हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास–अज्ञेय (राजपाल एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली)।

५. हिन्दी गद्य का विन्यास और विकास–डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी (लोकभारती प्रकाशन, प्रथम तल, दरबारी बिल्डिंग महात्मा गाँधी मार्ग, सिविललाइन, इलाहाबाद)।